

## दशम प्रश्न-पत्र (विकल्प – 2)

### प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा।

अंक 100

#### इकाई – I

राजभाषा हिन्दी : व्यावहारिक हिन्दी का स्वरूप और क्षेत्र, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, कार्यालयी व्यवस्था और पत्राचार, प्रतिवेदन, पारिभाषिक शब्दावली

#### इकाई – II

जनसंचार माध्यम और हिन्दी। मुद्रित जनसंचार माध्यम – परिचय, हिन्दी पत्रकारिता का विकास, सम्पादकीय, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, फीचर एवं जनसंचार माध्यमों के लिए विविध लेखन। सिने समीक्षा एवं खेल समीक्षा।

#### इकाई – III

जनसंचार माध्यम और हिन्दी। दृश्य और श्रव्य माध्यम। टेलिविजन के लिए लेखन, पटकथा लेखन, रेडियो वार्ता का शिल्प, उद्घोषणाएँ एवं संचालन, आँखों देखा हाल। प्रेस वाता।

#### इकाई – IV

विज्ञापन का संसार और हिन्दी, रेडियो, टी.वी. एवं मुद्रित माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन। विक्रय प्रबन्धन और हिन्दी। जनसम्पर्क।

#### इकाई – V

कम्प्यूटर और इंटरनेट। मुद्रण की नयी तकनीक, प्रूफ रीडिंग एवं कम्पोजिंग। पृष्ठ सज्जा। अनुवाद। अनुवाद और भाषा।

## सहायक ग्रंथ –

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे  
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. संस्कृति, विकास और संचार क्रांति – पूरनचंद्र जोशी  
ग्रंथ शिल्पी, बी-7, सरस्वती कॉम्प्लेक्स, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर,  
नई दिल्ली – 110092
3. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारख  
ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
4. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र – जवरीमल्ल पारख  
ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र – रेमंड विलियम्स  
ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
6. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा – सुभाष धूलिया  
ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
7. पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी  
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सुधीश पचौरी  
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. टेलिविजन लेखन – असगर वजाहत  
राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भारतीय सिने सिद्धान्त – अनुपम ओझा

- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र  
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
  12. हिन्दी सिनेमा का सच – सं. समकालीन सृजन  
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
  13. आज का मीडिया – शंभुनाम (सं.)  
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
  14. व्यावहारिक हिन्दी – रवीन्द्र श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी  
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली



**समाप्त**